दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१०० वा | रविवार १ मार्च २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

इस्त्राइल-ईरान युद्ध भड़क गया, भारत ने आधिकारिक बयान जारी किया-नागरिकों के लिए एडवाइजरी भी जारी

मुंबई: पश्चिम एशिया में शनिवार (२८ फरवरी, २०२६) को इस्त्राइल और ईरान के बीच बेहद गंभीर सैन्य संघर्ष शुरू हो गया है, जिससे वैश्विक तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस्त्राइल ने ओपरेशन लायन'स रोअर के नाम से ईरान के खिलाफ संयुक्त रूप से अमेरिका के साथ पूर्व-प्रत्यारोपित हवाई और मिसाइल हमले किए। तेहरान सहित कई शहरों में विस्फोट और धुएं के दृश्य देखे गए, और ईरानी राजधानी तेहरान सहित देश भर में स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। इराक, कतर, कुवैत, सऊदी अरब और यूएई सहित कई स्थानों पर ईरान ने भी जवाबी हमले किये हैं। इस बीच कई देश इस संघर्ष को रोकने और तनाव कम करने का आह्वान कर रहे हैं।

भारत सरकार ने इस्त्राइल-ईरान संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त की है और अपने नागरिकों के लिए सलाह-निर्देश जारी किए हैं। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा है कि भारत क्षेत्रीय तनाव के हालात से चिंतित है, सभी पक्ष संयम बरतें, तणाव और वृद्धि न पाये तथा सामान्य नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाये। इसके लिए संवाद और कूटनीति ही एकमात्र एवं सही समाधान मार्ग है और सभी देशों के सार्वभौमत्व तथा भौगोलिक अखंडता का सम्मान आवश्यक है।

भारत ने साथ ही दूतावासों और नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह जारी की है। ईरान सहित प्रभावित क्षेत्रों में स्थित भारतीय दूतावास अपने नागरिकों से अनुरोध कर रहा है कि वे संभवतः घर के अंदर ही रहें, स्थिति पर नजर रखें और आगे की सरकारी सलाह की प्रतीक्षा करें। वर्तमान में इस्त्राइल-ईरान संघर्ष के कारण भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विमान सेवाओं में व्यवधान आ रहा है। भारतीय विमानन नियामक समेत कई एयरलाइन्स ने मध्य पूर्व के हवाई मार्गों से उड़ानों पर सलाह जारी की है तथा रद्दीकरण/बदलाव किए हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। स्थिति अब भी चल रही है, और वैश्विक समुदाय संघर्ष को रोकने तथा शांति बहाल करने के लिए दबाव बना रहा है - लेकिन फिलहाल लड़ाई के परिणाम और भविष्य के प्रभाव स्पष्ट नहीं हैं।

बीड नगर परिषद का पहला बजट : विकास का संकल्प

न कोई कर वृद्धि, न किसी दर में बढ़ोतरी-नागरिकों को राहत

बीड (प्रतिनिधि): बीड नगर परिषद ने वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए अपना पहला बजट प्रस्तुत किया है। २७५ करोड़ ४ लाख ५० हजार रुपये की आय का लक्ष्य निर्धारित करते हुए बिना किसी कर वृद्धि या दर बढ़ोतरी के नागरिकों को राहत देने वाला और शहर के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित बजट पेश किया गया है। नगराध्यक्षा प्रेमलताताई पारवे ने बताया कि विधायक विजयसिंह पंडित के मार्गदर्शन में शहर के विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

राज्य के उपमुख्यमंत्री तथा बीड के पालकमंत्री स्वर्गीय अजित दादा पवार के नेतृत्व और विधायक विजयसिंह पंडित के मार्गदर्शन में नगर परिषद चुनाव में सफलता मिलने के बाद पहली बार यह विशेष बजट बैठक आयोजित की गई। शिव-शाहू-फुले-आंबेडकर-मौलाना आजाद विकास आघाड़ी के माध्यम से शहर के विकास का संकल्प लिया गया है।

२७ फरवरी को बीड नगर परिषद के गोपीनाथरावजी मुंडे सभागार में आयोजित विशेष बजट बैठक में नगराध्यक्षा प्रेमलताताई पारवे ने वर्ष २०२६-२७ का बजट प्रस्ताव सदन के समक्ष रखा। इसमें बिना किसी कर वृद्धि के बुनियादी सुविधाओं और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी गई, जिस पर सदन के सभी सदस्यों ने सहमति दी।

नगर परिषद द्वारा विकास कार्य, प्रशासनिक खर्च, स्वास्थ्य सेवाएं, स्ट्रीट लाइट और जलापूर्ति जैसी अत्यावश्यक सेवाओं पर २७४ करोड़ ९९ लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। नियोजित व्यय के बाद भी ७ लाख ५० हजार रुपये की शेष राशि परिषद के पास रहेगी।

पूंजीगत व्यय में से १५७ करोड़ ८२ लाख रुपये शहर की सड़कों, नाली निर्माण और बड़े बुनियादी प्रकल्पों पर खर्च किए जाएंगे। राजस्व आय से कर्मचारियों के वेतन तथा दैनिक स्वच्छता कार्यों का खर्च पूरा किया जाएगा। नगराध्यक्षा पारवे ने कहा कि यह बजट शहर के सर्वांगीण विकास के लिए दिशादर्शक है और इसके माध्यम से विकास का ठोस संकल्प लिया गया है।

▶▶पान ४ पे

विधायक संदीप क्षीरसागरने उठाया जलापूर्ति का मुद्दा

अधिवेशन में अमृत अटल योजना और जल जीवन मिशन पर की आर्थिक प्रावधान की मांग

बीड, २८ (प्रतिनिधि): बीड शहर की अमृत अटल जल योजना तथा ग्रामीण क्षेत्रों की जल जीवन मिशन योजना से जुड़े मूलभूत जलापूर्ति प्रश्न को विधायक संदीप क्षीरसागर ने शुक्रवार (२७ तारीख) को विधानसभा के बजट सत्र में उठाया। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पानी की समस्या अत्यंत गंभीर हो चुकी है। बीड शहर में अमृत अटल योजना शुरू करने के लिए बकाया बिजली बिल तथा ग्रामीण भाग में जल जीवन मिशन के लंबित कार्यों के लिए इस बजट में विशेष आर्थिक प्रावधान करने की मांग उन्होंने सदन में की।

बीड शहर की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए १२५ करोड़ रुपये की अमृत अटल जलापूर्ति योजना स्वीकृत होकर उसका कार्य भी पूर्ण हो चुका है। लेकिन नगरपालिका पर बकाया बिजली बिल और उस पर बढ़े भारी ब्याज के कारण नए जलापूर्ति प्रकल्प को बिजली कनेक्शन नहीं मिल पा रहा है। परिणामस्वरूप शहर में अब भी पुरानी योजना से जलापूर्ति की जा रही है, जो वर्तमान जनसंख्या और आवश्यकता के मुकाबले अत्यंत अपर्याप्त है। स्थिति यह है कि बीड शहर में ८ से १० दिन में एक बार पानी की आपूर्ति होती है। माजलगांव बैकवॉटर और बिंदुसरा परियोजना में पर्याप्त जल उपलब्ध होने के बावजूद केवल बकाया बिजली बिल के कारण शहरवासियों को पानी नहीं मिल पा रहा है। इस संदर्भ में विधायक क्षीरसागर ने मांग की कि बजट में बिजली बिल के बकाया पर लगे ब्याज को माफ करने के लिए आर्थिक प्रावधान किया जाए, ताकि बीड शहर की जलापूर्ति व्यवस्था सुचारू हो सके।

इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति के लिए अत्यंत महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के कार्य भी लंबे समय से निधि के अभाव में अटके हुए हैं। यह योजना प्रत्येक ग्रामीण घर तक व्यक्तिगत नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण पहल है।

निधि उपलब्ध न होने की स्थिति में अब तक किया गया सरकारी खर्च भी व्यर्थ चला जाएगा। इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए विधायक क्षीरसागर ने जल जीवन मिशन के लिए स्वतंत्र आर्थिक प्रावधान करने की मांग की।

नाळवंडी में आश्रमशाला में शैक्षणिक सामग्री का वितरण

भाजपा नगरसेविका डॉ.सारिकाताई क्षीरसागर के जन्मदिन पर विशेष पहल

बीड (प्रतिनिधि)

दि. २७ : बीड तालुका के नाळवंडी गांव स्थित आश्रमशाला में भाजपा की नगरसेविका डॉ. सारिकाताई क्षीरसागर के जन्मदिन के अवसर पर शुक्रवार को विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर युवा नेता रोहित राऊत, ग्राम पंचायत सदस्य नामदेव म्हेत्रे, सतीश माळोदे, आकाश कानडे, रंगनाथ राऊत, नारायण राऊत, अमोल राऊत, शिक्षक अतुल काळे, खिल्लारे, सारिका होनराव, आरती म्हेत्रे, विद्यागर, देविदास वाघमारे सहित ग्रामस्थ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

महापारेषण की ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना में तेजी लाएं

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश

मुंबई, २६: राज्य में वर्ष २०२९-३० तक बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश होने और अनेक उद्योगों के शुरू होने की संभावना है। उद्योग, वाणिज्यिक तथा घरेलू उपयोग के लिए ऊर्जा की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि अपेक्षित है। इस पृष्ठभूमि में चल रही ऊर्जा परियोजनाएं निर्धारित समय से पहले पूरी हों, इसके लिए महापारेषण से संबंधित परियोजनाओं की स्थापना में तेजी लाई जाए, ऐसे निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिए। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में महापारेषण की विभिन्न प्रगति पर चल रही परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, ऊर्जा विभाग की अपर मुख्य सचिव आभा शुक्ला, महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्रा, महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, अपर मुख्य सचिव अश्विनी भिडे, प्रधान सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी सहित टाटा पावर, जेएसडब्ल्यू, आवाडा, सीमेन्स आदि औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राज्य की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए महापारेषण से संबंधित १३ में से ९ महत्वपूर्ण परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही अड़चनों को दूर कर आवश्यक प्रशासनिक निर्णय तत्काल लेने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए।

वर्तमान में राज्य में ३७,६८२ मेगावाट बिजली उपलब्ध है। वर्ष २०३५ तक यह आवश्यकता बढ़कर ८०,१९७ मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। औद्योगिक और शहरी विस्तार को देखते हुए बिजली की मांग में तीव्र वृद्धि होगी, इसलिए परियोजनाओं का समय से पूर्व पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है, ऐसा मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा।

उन्होंने बताया कि परियोजनाओं की स्थापना के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है तथा उद्योग क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालीन योजना बनाई जा रही है। आने वाले समय में राज्य की कुल आवश्यक बिजली में से २५ प्रतिशत बिजली सौर ऊर्जा

▶▶पान ४ पे

स्थानीय अपराध शाखा की बड़ी कार्रवाई : चांदणेवस्ती पेठ, बीड में छापेमारी कर ३,५९,३८८ रुपये का गुटखा जब्त

बीड (प्रतिनिधि): स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने अवैध गुटखा बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बीड शहर के चांदणेवस्ती पेठ क्षेत्र में छापा मारकर ३ लाख ५९ हजार ३८८ रुपये मूल्य का गुटखा जब्त किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी कि संबंधित क्षेत्र में प्रतिबंधित गुटखे का अवैध भंडारण और बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने तत्काल छापेमारी की कार्रवाई की।

छापे के दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत ३,५९,३८८ रुपये आंकी गई है। पुलिस ने संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध गुटखा बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गेवराई के शिवाजी चौक से किसी भी कीमत पर नहीं हटने देंगे छत्रपति शिवराय की प्रतिमा

शहर के हिंदू-मुस्लिम शिवप्रेमियों का आक्रामक रुख

काज़ी अमान / गेवराई

गेवराई शहर के मध्य भाग स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में स्थापित हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवराय की प्रतिमा को प्रशासन किसी भी परिस्थिति में हाथ न लगाए। प्रतिमा को वहां से हटाने का कोई भी प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस मांग को लेकर शहर के हिंदू-मुस्लिम शिवप्रेमियों ने आक्रामक रुख अपनाते हुए नगर परिषद कार्यालय के सामने धरना आंदोलन किया।

शहर के मध्यवर्ती क्षेत्र में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में हिंदू-मुस्लिम शिवप्रेमियों की पहल पर सभी जाति-धर्म के लोगों ने मिलकर छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य अश्वारूढ़ प्रतिमा रातोंरात स्थापित की। रात के समय गणिमी कावा की शैली

▶▶पान ४ पे

अजित दादा कर्मयोगी सुधारक थे, कल्याण आखाडे का प्रतिपादन, अजित स्मृति व्याख्यानमाला की शुरुआत

बीड (प्रतिनिधि): महाराष्ट्र की राजनीति में अजित दादा पवार जैसा नेता दूसरा नहीं होगा। हर विषय में उनका अलग ही व्यक्तित्व था। अधिकांश राजनीतिक नेता ज्यादा बोलते हैं और कम काम करते हैं, लेकिन अजित दादा पूरी तरह कर्मयोगी सुधारक थे। अपने राजनीतिक जीवन का हर क्षण उन्होंने कार्य और निर्णय लेने में लगाया। भाजपा-प्रणीत गठबंधन के साथ जाने का निर्णय लेने के बाद पिछले तीन वर्षों से वे स्वयंभू नेता के रूप में स्थापित हुए थे और उन्होंने खुद को पूरी तरह सिद्ध किया था। भविष्य में एकहाती सत्ता प्राप्त करने के लिए उनका नेतृत्व तैयार था, लेकिन उनकी अकाल विदाई हो गई - यह खेद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक कल्याण आखाडे ने व्यक्त किया।

महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ, मुंबई की बीड जिला शाखा की ओर से अजित स्मृति व्याख्यानमाला की शुरुआत की गई है। अजित दादा का निधन २८ तारीख को हुआ था। यह तिथि स्मरण में बनी रहे और हर महीने उसी दिन उनके विचारों और कार्यों का स्मरण हो, इस उद्देश्य से प्रत्येक माह की २८ तारीख को बीड में व्याख्यान आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरुआत २८ फरवरी को हुई और पहला व्याख्यान कल्याण आखाडे ने दिया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष वसंत मुंडे, बीड जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष संतोष मानूरकर, लोकपत्रकार भागवत तावरे, बीड शहर अध्यक्ष प्रतीक कांबळे तथा वरिष्ठ नेता लक्ष्मणराव ढवळे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

अपने भाषण में आखाडे ने अजित दादा के सर्वांगीण गुणों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भले ही दादा का जन्म पश्चिम महाराष्ट्र में हुआ था, लेकिन राज्य के हर क्षेत्र के किसानों की समस्याओं की उन्हें गहरी समझ थी। समस्याओं को समझकर उनका समाधान निकालने वाले दादा मानो चलते-फिरते लोकन्यायालय थे। उनके दरबार में होने वाली हर बैठक में जनहित के निर्णय लिए जाते थे।

उन्होंने केवल छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम ही नहीं लिया, बल्कि उनके विचारों को अपने जीवन में उतारा। उनके मंत्रिमंडल में हमेशा सभी जाति और धर्मों को स्थान मिला। पार्टी संगठन में भी उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की तरह संरचना बनाई थी। उनके व्यक्तित्व में अद्भुत आकर्षण शक्ति थी, जिससे जुड़ा व्यक्ति या कार्यकर्ता उनसे कभी दूर नहीं हुआ।

आखाडे ने कहा कि उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन की शुरुआत कम्युनिस्ट विचारधारा से हुई। कॉमरेड अतहर बाबर के साथ उन्होंने काम शुरू किया, बाद में गोपीनाथराव मुंडे ने उन्हें राजनीतिक सहयोग दिया और अंततः उनका भविष्य अजित दादा के नेतृत्व पर निर्भर था। इन तीनों नेताओं का अब इस दुनिया में न होना उनके लिए अत्यंत पीड़ादायक है।

कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष वसंतराव मुंडे ने भी अजित दादा पवार की कार्यशैली का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि बीड के पालकमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद जनता में विश्वास जगा था कि यह जिला अब बारामती की तरह विकास में आगे बढ़ेगा, लेकिन अब बीडवासियों में निराशा है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रारंभिक वर्षों में मीडिया ने अजित दादा की छवि गलत ढंग से प्रस्तुत की, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में स्वतंत्र भूमिका अपनाने के बाद उन्होंने हर किसी के दिल में जगह बना ली थी। उनकी विनोदी शैली, प्रशासन में पकड़ और जनता की समस्याओं के समाधान की क्षमता के कारण वे लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचे थे। उनके अचानक निधन से महाराष्ट्र एक योग्य और कर्मठ मुख्यमंत्री से वंचित हो गया है।

बीड की एकदिवसीय हड़ताल से उठता सवाल: सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की मांगें आखिर कब पूरी होंगी?

लेखक
सैयद फारूक अहमद कादरी

बीड जिले में हुई एक दिन की हड़ताल केवल एक दिन का विरोध नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही बेचैनी, उपेक्षा और अधिकारों की अनदेखी का प्रतीक है। सरकारी कार्यालय बंद रहे, शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हुईं, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों को बार-बार सड़कों पर क्यों उतरना पड़ता है?

सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों का कहना है कि उनके जायज मांगें लंबे समय से लंबित हैं। पुरानी पेंशन योजना की बहाली, सेवा निर्धारण (सर्विस फिक्सेशन) की त्रुटियों का सुधार, पदोन्नति में पारदर्शिता और बकाया राशि का भुगतान जैसे मुद्दे आज भी अनसुलझे हैं। यह कोई अतिरिक्त सुविधाओं की मांग नहीं, बल्कि मूल अधिकारों का प्रश्न है।

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा १८ महीने के डीए (महंगाई भत्ता) का है, जो कोरोना काल का बकाया है। सरकार की ओर से भुगतान का संकेत दिया गया, लेकिन अब तक वास्तविक भुगतान नहीं हुआ। सवाल यह है कि यदि यह अधिकार मान्य है तो भुगतान में देरी क्यों? क्या उन महीनों में महंगाई ने राहत दी थी?

दूसरी ओर, जब खर्चों पर नजर डाली जाती है तो जनप्रतिनिधियों के भत्तों, यात्रा सुविधाओं, सुरक्षा और अन्य विशेषाधिकारों पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। राजनीतिक कार्यक्रमों और सभाओं पर भी बड़ी राशि व्यय होती है। लेकिन जब शिक्षकों और कर्मचारियों के अधिकारों की बात आती है, तब संसाधन सीमित क्यों दिखाई देते हैं?

शिक्षण संगठन 'प्रहार' की भूमिका

इस आंदोलन की पृष्ठभूमि में शिक्षण संगठन प्रहार नामक संगठन का उल्लेख भी सामने आता है। यह संगठन मुख्यतः मराठी शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन उर्दू शिक्षकों सहित अन्य वर्गों के मुद्दों पर भी आवाज उठाता रहा है। यही भारतीय संस्कृति की असली पहचान है - भाषा और समुदाय से ऊपर उठकर न्याय की बात करना।

सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों का प्रश्न सीधा है:

यदि राज्य का खजाना जनता का है, तो जनता की सेवा करने वाले शिक्षक और कर्मचारी उसके हकदार क्यों नहीं?

एक ओर कहा जाता है कि खजाना खाली है, संसाधन सीमित हैं और कानूनी बाधाएं हैं।

दूसरी ओर विधायकों और सांसदों के भत्तों व सुविधाओं में वृद्धि आसानी से स्वीकृत हो जाती है। नई गाड़ियां, नई सुविधाएं और नए भत्ते तुरंत मंजूर हो जाते हैं।

तो फिर सवाल उठता है:

जो शिक्षक एक बच्चे का भविष्य संवारता है, क्या वह केवल वेतन लेने वाला कर्मचारी है?

या वह राष्ट्र की नींव रखने वाला निर्माता है?

शिक्षक का महत्व और बदलता राजनीतिक वातावरण

शिक्षक केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरे देश को संवारता है।

वह केवल पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ाता, बल्कि नैतिकता, एकता और मानवता का पाठ सिखाता है।

वह केवल परीक्षा की तैयारी नहीं करवाता, बल्कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य गढ़ता है।

फिर यही वर्ग लगातार दबाव, असुरक्षा और उपेक्षा का शिकार क्यों है?

महंगाई बढ़ रही है, जिम्मेदारियां बढ़ रही हैं, लेकिन वेतन वृद्धि और सेवा सुरक्षा के मुद्दे अब भी लंबित हैं। पुरानी पेंशन योजना बहस का विषय बनी हुई है। पदोन्नतियां विलंबित हैं। उर्दू और अन्य भाषाई वर्गों के अधिकारों को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

राजनीतिक वातावरण भी बदल रहा है। धर्म और भाषा के नाम पर विभाजन की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं, जबकि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता और एकता में है - जहां मराठी, उर्दू, हिंदी, तमिल और अन्य सभी भाषाएं व संस्कृतियां साथ-साथ विकसित होती हैं।

यदि शिक्षक कमजोर होगा तो समाज कमजोर होगा।

यदि शिक्षा की उपेक्षा की गई तो देश का भविष्य प्रभावित होगा।

असली सवाल

सवाल यह नहीं कि हड़ताल कितने दिन चलेगी,

असली सवाल यह है कि न्याय कब मिलेगा?

सरकार को चाहिए कि वह शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों को बोझ नहीं, बल्कि संपत्ति माने। उनसे संवाद करे, पारदर्शी निर्णय ले और सभी के साथ समान व्यवहार करे। क्योंकि राष्ट्र निर्माण संसद भवन में नहीं, बल्कि कक्षा कक्ष में होता है। और जब शिक्षक संतुष्ट होगा, तभी भारत वास्तविक अर्थों में मजबूत बनेगा।

मासूम विद्यार्थियों का आर्थिक सहयोग का जज़्बा

रमज़ान में इंसानियत और सदका-ए-जारिया का सुंदर संदेश

औसा, जिला लातूर (मुहम्मद मुस्लिम कबीर)

रमज़ान का पवित्र महीना इबादत, रहमत और सदका (दान) की भावना लेकर आता है। इसी पावन अवसर पर Orbit Pre Primary English School द्वारा हर वर्ष की तरह इस साल भी बच्चों में दान और संवेदनशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए 'सदका बॉक्स' गतिविधि का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में स्कूल के मासूम बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों ने अपनी छोटी-छोटी दैनिक बचत से सहयोग किया। किसी ने अपनी पॉकेट मनी दान की तो किसी ने अपनी पसंदीदा चीज़ें छोड़कर दान में योगदान दिया। इन नन्हें हाथों ने यह साबित कर दिया कि सहयोग की भावना छोटी रकम से शुरू होकर भी गहरा प्रभाव डाल सकती है। एकत्रित सदका राशि जरूरतमंदों की सहायता के लिए उपयोग की जाएगी।

इसी तरह स्कूल के सामने स्थित मस्जिद नबी का निर्माण कार्य भी जारी है। मस्जिद निर्माण को सदका-ए-जारिया (निरंतर पुण्य का कार्य) का सर्वोत्तम माध्यम मानते हुए सभी बच्चों से इस नेक कार्य में योगदान देने की अपील की गई थी। बच्चों ने दिल से इस अपील को स्वीकार किया और मात्र एक सप्ताह में कुल १०,६७० रुपये एकत्रित कर लिए।

आज जुमे की नमाज़ से पहले यह राशि मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अलहाज सुल्तान बागवान और इमाम मौलाना फिरोज अशाअती को सौंपी गई। इस अवसर पर

उपस्थित सभी लोगों ने बच्चों के जज़्बे की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की।

वास्तव में यह पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के दिलों में इंसानियत, सहानुभूति और सामाजिक सेवा के बीज बोने का एक सुंदर प्रयास है। अल्लाह तआला इन नन्हें हाथों से किए गए इस नेक अमल को कबूल फरमाए और उन्हें ऐसे कार्य आगे भी जारी रखने की तौफीक अता करे।

पान १ वरून

गेवराई के शिवाजी चौक...

में प्रतिमा की स्थापना और अनावरण किए जाने से शहर में उत्साह और गर्व का वातावरण बना था। अनेक नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की थी।

हालांकि, जिस स्थान पर प्रतिमा स्थापित की गई है, वह राज्य महामार्ग के मध्य भाग में आने का कारण बताते हुए नगर परिषद प्रशासन ने प्रतिमा को अन्यत्र स्थानांतरित करने का प्रस्ताव रखा है। प्रशासन का कहना है कि यातायात में बाधा की संभावना को देखते हुए प्रतिमा के लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है। इस संबंध में शिवप्रेमियों के साथ समय-समय पर बैठकें कर समन्वय स्थापित करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

इधर, प्रतिमा हटाने की चर्चा से शिवप्रेमियों में असंतोष बढ़ गया है और इस निर्णय का तीव्र विरोध किया जा रहा है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में शिवप्रेमी छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में एकत्र हुए और वहां से नगर परिषद कार्यालय तक मोर्चा निकालते हुए प्रशासन के विरोध में जोरदार नारेबाजी की।

इस अवसर पर पूर्व नगराध्यक्ष महेश अण्णा दाभाडे, गटनेता एवं नगरसेवक शेख खाजाभाई, मराठा सेवक ऋषिकेश बेदरे, राजेंद्र मोटे, पत्रकार जुनेद बागवान, एडवोकेट अमोल दाभाडे, महेश मोटे, बंडू गळगुंडे, दत्तात्रय येवले आदि ने जोशीले भाषण दिए।

आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कहा कि छत्रपति की प्रतिमा जहां स्थापित की गई है, वहीं रहनी चाहिए। उसे हटाने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस पृष्ठभूमि में नगर परिषद के मुख्याधिकारी ने शिवप्रेमियों की भावनाओं को समझते हुए संवाद स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर की कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए सर्वसम्मति से समाधान निकालने के लिए प्रशासन सकारात्मक है। प्रतिमा को उसी स्थान पर बनाए रखने हेतु आवश्यक वैकल्पिक तकनीकी और यातायात व्यवस्था करने के प्रयास भी किए जाएंगे, ऐसा आश्वासन दिया गया।

फिलहाल इस मुद्दे पर शहर में विभिन्न स्तरों पर चर्चा जारी है। प्रशासन और शिवप्रेमियों के बीच होने वाली अगली बैठक में क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर पूरे गेवराई शहर की नजरें टिकी हुई हैं।

बीड नगर परिषद का पहला...

इस बजट बैठक में उपनगराध्यक्ष तथा जलापूर्ति सभापति विनोद मुळूक, स्वच्छता सभापति शेख निजाम, निर्माण सभापति संजय उडाण, नियोजन सभापति बाळासाहेब गुंजाळ, महिला एवं बालकल्याण सभापति आरती रंजीत बनसोडे, गटनेते फारुख पटेल, गटनेते खुर्शीद आलम, गटनेत्या सारिका क्षीरसागर, स्थायी समिति के सदस्य, मुख्याधिकारी शैलेश फडसे, सभी नगरसेवक तथा परिषद के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नगराध्यक्षा ने सभी पार्षदों को चर्चा का अवसर दिया

२७ फरवरी को विशेष बजट बैठक के बाद दोपहर २ बजे सामान्य सभा शुरू हुई। स्वच्छता, जलापूर्ति, नियोजन और निर्माण सहित विभिन्न विभागों के कई विषयों पर चर्चा के लिए नगराध्यक्षा प्रेमलताताई पारवे ने सभी सदस्यों को अवसर दिया। समय की कमी के कारण चर्चा अधूरी रहने पर अगले दिन सुबह ११ बजे से सामान्य सभा पुनः शुरू की गई।

सामान्य सभा में विभिन्न वार्डों के नगरसेवकों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाईं, जिस पर नगराध्यक्षा ने संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए।

महापारेषण की ऊर्जा परियोजनाओं ...

परियोजनाओं के माध्यम से उत्पन्न की जाएगी। हरित ऊर्जा से पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। इसके साथ ही पंप स्टोरेज परियोजना (पीएसपी) के माध्यम से लगभग ६ प्रतिशत बिजली उत्पादन होगा।

इन परियोजनाओं की समीक्षा

महापारेषण से संबंधित नई परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई, जिनमें-

आवाडा समूह की नांदेड व लातूर जिलों में ४०० मेगावाट परियोजना

जेएसडब्ल्यू की सोलापुर जिले में ७०० मेगावाट परियोजना

टाटा पावर की नांदेड जिले में १५०० मेगावाट परियोजना

जेएसडब्ल्यू की अकोला जिले में ५०० मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना

नांदेड जिले में ५०० मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना

लातूर जिले में पवन ऊर्जा परियोजना

आवाडा की जालना जिले में ५०० मेगावाट तथा धाराशिव जिले में सौर ऊर्जा परियोजना

धुले-जलगांव जिलों में ८५० मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना

धाराशिव-बीड जिलों में २५० मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना

सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं से क्षमता वृद्धि

बिजली उत्पादन के विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा उत्पादन के लिए टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) लागू की गई है। टीबीसीबी के माध्यम से निजी निवेश होने से अगले ३५ वर्षों तक वार्षिक टैरिफ राजस्व उत्पन्न होगा तथा पुरानी आधारभूत संरचनाओं का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

महापारेषण देश की सबसे बड़ी राज्य ट्रांसमिशन युटिलिटी है, जिसकी ट्रांसमिशन क्षमता १,४०,००० एमवीए से अधिक है।

सौर, पवन, हाइब्रिड और पारंपरिक जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से अक्षय ऊर्जा का हिस्सा वर्ष २०२३ में ३० प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष २०३० तक ६० प्रतिशत करने का लक्ष्य है। टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से निजी क्षेत्र से लगभग ३०,००० करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर महाराष्ट्र में २.५ गीगावाट 'राउंड-द-क्लॉक' अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित की जा रही है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com